(b) At present there is no proposal to appoint more members.

मछली का निर्यात

5607. **श्री बसवन्त** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत ने वर्ष 1965-66 और 1966-67 में किन-किन देशों को कितनी मात्रा में मछली का निर्यात किया ;

(ख) इसमें से कितनी मात्रा महाराष्ट्र से निर्यात की गई; और

(ग) इस निर्यात के परिणामस्वरूप मत्स्य उद्योग के विकास के लिये आयात की गई मशीनरी और अन्य सामान का ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी) : (क) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। **[पुस्तकालय में रखा गया । देखिये संख्या एल० टी०—2183/67]**

(ख) निर्यात के आंकड़े राज्यवार नहीं रखे जाते।

(ग) मछली तथा मछली-उत्पादों के पंजीयित निर्यातकों के लिये निर्धारित आयात नीति के अन्तर्गत, निर्यातों की जहाज पर निः शुल्क मूल्य के 10 प्रतिशत तक आयात हकदारी के रूप में निम्नलिखित पदों का आयात करने की अनुमति दी जाती है :—

1. प्रशीतक द्रव्य (डिसक्लोर डिफ्लेयोर मैथीन)
2. प्रशीतक मशीनों के फालतू पुर्जे
3. छपे हुए मोगी कार्टन
4. छपे हुए मास्टर कार्टन
5. छपे हुए गत्ते, नालीदार बोर्ड, कार्टन तथा स्लीव
6. छपे हुए लेबल
7. वैजिटेबल पर्चमेंट पेपर
8. साइट्रिक एसिड
9. डिब्बे बनाने की मशीनों के फालतु पुर्जे
10. टीन प्लेट
11. 210×3 डिनाइर्स के नायलन ट्वाइन (10 प्रतिशत तक)
12. मछली पकड़ने के कांटे (50 प्रतिशत तक)
13. बाक्स-स्टैपिग (5 प्रतिशत तक)
14. परिष्करण उपकरणों के निर्माण के लिये स्टेनलैस स्टील की चादरें तथा प्लेटें। (18 जी से अधिक मोटी)।
15. 40 अश्व-शक्ति से अधिक क्षमता वाले नौ-डीजल इंजनों के फालतू पुर्जे जो स्वदेश में प्राप्त नहीं हैं।
16. पोलीथीन मोल्डिंग पाउडर/पोलीथीन ग्रेन्यूल्स।

देहरादून ऐक्सप्रेस के पहले दर्जे के डिब्बे में विस्फोट

5608. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देहरादून एक्सप्रेस के पहले दर्जे के डिब्बे में जब कि वह पश्चिम रेलवे के खाचरोद स्टेशन में पहुंचने वाली थी विस्फोट के कररण आग लग गई थी;

(ख) यदि हां, तो इस विस्फोट के क्या कारण थे; और

(ग) क्या सरकार का विचार इस दुर्घटना के बारे में जांच करने का है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) से (ग). देहरादून ऐक्सप्रेस में कोई विस्फोट नहीं हुआ था। लेकिन 2-12-1967 को खचरोद स्टेशन पर देहरादून एक्सप्रेस के पहले दर्जे के एक डिब्बे के डायनमों की ओर जाने वाले एल्युमीनियम और तांबे के केबुलों के बीच का द्विधातुक जोड़ अधिक गर्म हो गया था और इस वजह से कुछ धुंआ निकलता हुआ देखा गया था ।